डा0 अश्विनी कुमार, उपमहाप्रबंधक, (आयुष) के नेतृत्व में भ्रमण टीम द्वारा गोरखपुर मण्डल के जनपद कुशीनगर का दिनांक – 29.11.16 से 01.12.16 तक भ्रमण किया गया। जनपद में अनुश्रवण के दौरान निम्न महत्वपूर्ण बिन्दु प्रकाश में आये। इनका इकाईवार विवरण निम्न हैं–

♦ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र – कसया– कुशीनगर

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कसया तक पहूंचने के कोई संकेतक नही लगे। परिसर के गेट पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का नाम मानकानुसार लगवाने की आवश्यकता है। परिसर सड़क से जुडे होने के कारण मवेषी अंदर आ जाते है, जिससे गंदगी होती है। गेट पर पाइप लगवाने की आवश्यकता है।
- अलग–अलग स्थानो पर कूडे के डेर पाये गये। पूछने पर ज्ञात हुआ कि Medical Pollution Control Committee, D-33, UPSIDC, Industrial Area Khalilabad, Sant Kabir Nagar एजेंसी लगी, जिसको प्रत्येक प्रत्येक दिन कूडे को लेने आना चाहिये किन्तु वो नियमित नही है। परिसर में भी साफ–सफाई की आवश्यकता है। जगह जगह पर पान के दाग देखने को मिले।

- वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे।
- लेबर रूम मे उपलब्ध 02 लेबर टेबल थे एवं दो लेबर टेबल के बीच में पार्टीशियन नही था। एम0एन0एच0 टूल किट मानकानुसार लेबर रूम में 05 ट्रे नही पाई गई। आर्टरी फॉर्सेप्स, प्लास्टिक बेबी ट्रे, विटामिन के, इन्जेक्शन Fortwin, व इन्जेक्शन Hydrazline आदि उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।
- ट्रेज के कई उपकरण मानकों के अनुरूप नहीं पाये गये। उपकरणों के विसंक्रमण की व्यवस्था भी मानक अनुरूप नहीं है। प्रसव कक्ष में 03 स्टाफ नर्स की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगायी गयी है। जे0एस0वाई0 लाभार्थी हेतु प्रयोग की जा रही बी0एच0टी0 अपूर्ण पायी गयी। माह में 193 प्रसव हुये हैं।
- लेबर रूम रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 न0 दर्ज नही किया जा रहा था एवं बी0एच0टी0 एवं पार्टोग्राफ भी नही भरा जा रहा था।
- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400/–एवं रू 1000/– की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था।

- आ0ई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया और एच.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- मरीजो को 102 एवं 108 एम्बुलेन्सों की समुचित जानकारी नही है। अद्यतन आई0ई0सी0 प्रदर्शित कराने की आवश्यकता है। दीवाल लेखन पर्याप्त पाया गया।
- परिसर में दवा वितरण केन्द्र में मात्र एक व्यक्ति लगा है जिससे लाभार्थियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। दवा वितरण केन्द्र को अधिक व्यवस्थित करने की आवश्यकता है।
- चिकित्सालय में कुल 05 चिकित्सक तैनात है किन्तु मात्र 01 SBA Trained है, लेबर रूम में एक स्थायी स्टाफ नर्स उपस्थित थी जो कि SBA Trained थी किन्तु PPIUCD एवं NSSK Trained नही पाई गई।
- औषधि वितरण सिस्टमेटिक कराने की आवश्यकता है। परिसर के अन्दर वाहन, मोटर साइकिलों को व्यवस्थित तरीके से लगवाने की आवश्यकता है।

♦ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामकोला–कुशीनगर

- आशाओं की निम्नवत् समस्याओं का ज्ञाप टीम के सदस्यों को दिया गया –
    a. वर्ष 2015 अक्टुबर से आशाओं को प्रोत्साहन राषि न मिली है। आशाओं का आरोप है कि जब कि सी0एच0सी0 रामकोला में बैठक होती है तो बहुत सिफारिष करने के उपरान्त भी डाक्टर बैठक में नही आते जिससे कि आशाएं अपनी समस्याएं न बता सकें। फरवरी–मार्च में आशाओं द्वारा कराया गया जे0ई0 का टीकाकरण कराने का भुगतान लम्बित है। जुलाई 2016 से जे0एस0वाई0 का भुगतान आशाओ के खाते में नही भेजा गया।
    b. कुछ स्थानो में आशाओं एवं ए0एन0एम0 के मध्य समन्वय की कमी है। ए0एन0एम0 द्वारा टीका स्थल पर टीका लगाने से इन्कार किया जाता है। श्रीमती निर्मला देवी, आशा ग्राम भठही खुर्द द्वारा आरोप लगाया गया कि ए0एन0एम0 कान्ती देवी न कार्य में आती है और फर्जी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है एवं बुलवाने पर अपने नेता पति की धमकी देती है। उक्त के क्रम में आशा द्वारा जिलाधिकारी महोदय को भी ज्ञाप दिया जा चुका है।
    c. ग्राम मिश्रौली अमवा मे लाभार्थी का आरोप है कि ए0एन0एम0 श्रीमती कान्ती देवी कभी भी टीकाकरण हेतु स्थल पर नही जाती एवं यदि उपकेन्द्र पर जाया जाये तो ए0एन0एम0 अभद्रता करती है एवं नेता पति की धमकियां देती है।
- दिवाल लेखन समुचित पाया गया किन्तु अन्य आई0ई0सी0 के प्रदर्शन की आवश्यकता है। सी0एच0सी0 पहचने हेतु मार्ग में संकतको को लगवाने की आवश्यकता। बिल्डिंग की दशा सुधारने की आवश्यकता है।
- चिकित्सालय में कुल 02 चिकित्सक, 04 स्टाफ नर्स, 03 ए0एन0एम0 एवं 1 स्थायी लैब टैक्नीशियन तैनात है।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत एच.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन पाया गया किन्तु पोस्टर/बैनर लगाये जाने की आवश्यकता है। लेबर रूम में प्रोटोकॉलानुसार पोस्टर लगाने की आवश्यकता है।
- चिकित्सालय में सफाई कमी है। बी0एम0डब्लू0 डिस्पोजल सुचारु कराने की आवश्यकता है। उक्त हेतु ऐजन्सी हाइर है किन्तु वह ऑल्टर्नेट दिनों में आती है। वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे। चिकित्सालय में पिट् क्रियाशील नही पाया गया।
- आई0ई0सी0 सामग्री के प्रदर्शन की आवश्यकता है। नियमित निरीक्षण की आवश्यकता है।
- औषधि वितरण सिस्टमेटिक कराने की आवश्यकता है।
- मानकानुसार 108 व 102 का दीवाल लेखन नहीं कराया गया था। प्रभारी चिकित्साधिकारी से नियमानुसार दीवाल लेखन कराये जाने की आवश्यकता है।

- शिकायत पेटिका एवं सुझाव पेटिका परिसर में नही है। शिकायतों के पंजीकरण व निस्तारण से सम्बन्धित कोई भी अभिलेख नहीं तैयार किये जा रहे थे। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने की आवश्यकता है।
- अभिलेख अद्यतन कराने की आवश्यकता है। रक्ताल्पता (एनीमिया) गर्भवती महिलाओं की लिस्ट नही बनाई जा रही है।
- उपलब्ध औषधियां की उपलब्धता दिवारों में अंकित कराने की आवश्यकता है। भण्डार में औषधियों की लेवलिंग कराने की आवश्यकता है।
- सीटीजन चार्टरए JSSK एवं चिकित्सालय में प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में प्रर्दशित नही किया गया है।
- लेबर रूम में एक स्थायी स्टाफ नर्स उपस्थित थी जो कि SBA Trained नही थी कुल 04 स्टाफ नर्स SBA प्रशिक्षित नही थी जिनको प्रशिक्षित किये जाने की आवश्यकता है।
- आई0ई0सी0 सामग्री के प्रदर्शन की आवश्यकता है। नियमित निरीक्षण की आवश्यकता है।
- दन्त चिकित्सक में डेन्टल चेयर क्रियाशील है किन्तु दन्त एक्स–रे मशीन हेतु डारक बाक्स उपलब्ध न होने के कारण एक्स–रे नही किया जा रहा है।

- ओ० टी० पंजिका का रख रखाव व्यवस्थित नहीं था । एक Radiant Warmer (रेडियंट वार्मर) ओ0 टी0 कक्ष में ही ढक के रखे हुए थे जिसे देख कर लग रहा था कि उनका उपयोग नहीं किया जा रहा है। अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया कि प्रथम दिन से रेडियंट वार्मर खराब है और उक्त हेतु मैकेनिक उपलब्ध नही हो रहा, जिसके लिये मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से कई बार कहा गया है। 1 Radiant Warmer (रेडियंट वार्मर) को लेबर रूम में रखा जाना चाहिये। ऑक्सीजन सिलिंडर क्रियाशील पाया गया। स्टेरलाईडजेशन हेतु लॉग–बुक का उपयोग नहीं किया जा रहा था ।
- उपकरणों के रखने हेतु बड़े फोर्मेलिन चैम्बर की आवश्यकता है। ऑप्टोमेट्री नहीं की जा रही थी। माइनर ओ०टी० मे नल बह रहा था अतः एल्बो बदलवाने की आवश्यकता है। एल्बो टेप (Elbow Tap) भी ओ०टी० में उचित स्थान पर लगे होने चाहिए । हैण्ड वॉश के स्थान पर भी प्रोटोकॉल पोस्टर नहीं लगे थे।

- मेजर ओ0 टी0 क्रियाशील नही पाई गई। उपकरण चादर से ढके पाये गये एवं अव्यवस्थित रूप में रखे पाये गये। उक्त को जल्द क्रियाशील कराने की आवश्यकता है।

- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रसूता के भोजन की व्यवस्था थी एवं भोजन में दी जाने वाली सामग्री सम्बंधित जानकारी प्रदर्शित नही थी। जे०एस०एस०के रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया। लाभार्थियों को नाश्ते में मात्र एक बिस्कूट एवं सायं खाना दिया जाता है।
- अभिलेखों का रख रखाव अद्यतन अवस्था में नहीं पाया गया ।
- वार्ड के कमरे मे अत्यंत सीलन है जिसके हेतु चिकित्सक ने मरमम्त कराई है किन्तु अभी भी वार्ड एवं उसके बगल वाले कमरे में सीलन पाई गई।

- आपातकालीन ड्यूटी चार्ट प्रदर्शित था एवं कर्मचारी के नाम प्रदर्शित थे । जनपद स्तर पर क्वालिटी मैनेजर, अर्बन को–ओर्डीनेटर एवं क्यू0 आई0 मेंटर द्वारा जनपद तथा ब्लाक स्तर पर व्यवस्था में सुधार हेतु सहयोग नहीं दिया जा रहा था ।
- पीने के पानी हेतु व्यवस्था उपलब्ध थी । पीने के पानी हेतु स्थान स्वच्छ पाया गया । हाथ प्रोटोकॉल पोस्टर परिसर में लगे होने की आवश्यकता है। ई0डी0एल0 लिस्ट (Essential Drug

List) दीवार पर प्रदर्शित थी परन्तु लिखे हुए अक्षर बड़े एवं उचित प्रकार से प्रदर्शित नहीं थी । ई0डी0एल0 लिस्ट में दवाओं की उपलब्धता के बारे में भी नहीं लिखा हुआ था।

- आशा संगनियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा था जो कि गुणवत्तापूर्ण नही पाया गया। प्रशिक्षण मानकानुसार गुणवत्तापूर्ण होना आवश्यक है। आर0के0एस0 फण्ड नही पाया गया।

♦ उपकेन्द्र – गोपालगंज – कुशीनगर

- उपकेन्द्र में दो ए0एन0एम0 तैनात है, उक्त ए0एन0एम0 SBA प्रशिक्षिता नही है।
- Placenta को निस्तारित करने की व्यवस्था नही है।
- परिसर बडे क्षेत्रफल में है किन्तु बिल्डिंग की दशा जर्जर पाई गई। बिल्डिंग के मरम्मत की आवश्यकता है। बिल्डिंग बडी है किन्तु मात्र एक कमरे में उपकेन्द्र संचालित है अन्य तीन कमरे बंद पडें है। दो शौचालय में एक क्रियाशील है दुसरा बंद पडा है। बंद कमरें की जमी उखड चुकी है।

- उपकेन्द्र तक पहुचने हेतु संकेतको की आवश्यकता है।
- साफ–सफाई की आवश्यकता है। उपलब्ध औषधियां की उपलब्धता दिवारों में अंकित कराने की आवश्यकता है। भण्डार में औषधियों की लेवलिंग कराने की आवश्यकता है।
- Blood sugar testing kits, Neonatal ambu bag एवं RBSK pictorial tool kit की आवश्यकता है।
- औषधियों की कमी पाई गई जैसे Inj MgSO4, Inj Oxytocin, Antibiotics एवं Misoprostol tablets उपलब्ध नही पाई गई।
- इकाई में Boundary टूटी है। पानी की व्यवस्था हेतु हैण्डपम्प है। परिसर की समस्त खिडकियों के शीषे टूटे हुये पाये गये। शौचालय बेहद गंदा पडा हुआ था। परिसर के आंगन में कबाड पडा हुआ था एवं कुडे का डेर लगा हुआ था।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत प्रोटोकाल पोस्टर उपलब्ध नहीं थे। सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन एवं पोस्टर/बैनर लगाये जाने की आवश्यकता है।
- कडवें तेल का प्रयोग किया जाता है। Delivery Table टूटी है एवं बदलवाने की आवश्यकता है।
- VHND निर्धारित दिनो पर ही संचालित किया जाता है जो माह का 5, 15, एवं 25 है। आशा को कुपोषित बच्चों के विषय में जानकारी एवं प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है साथ ही साथ आशाओं को का HBNC प्रशिक्षणदेने की अत्यंत आवश्यकता है।

♦ VHND एवं टीकाकरण सत्र – अभिनायकपुर वि.ख., कसया – कुशीनगर

- निरीक्षण के समय एक ए0एन0एम0 एक आगनवाड़ी उपस्थित पाई गई एवं अच्छे प्रकार से टीकाकरण सत्र संचालित किया जा रहा था। आशा निर्मला सिंह गांव टीकाकरण करने गई हुई थी।
- VHND निर्धारित दिनो पर ही संचालित किया जाता है जो माह का 5, 15, एवं 25 है। ए0एन0एम0 को कुपोषित बच्चों के विषय में जानकारी एवं प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है साथ ही साथ आशाओं को HBNC प्रशिक्षणदेने की अत्यंत आवश्यकता है। कार्यकत्रियों का प्रशिक्षणकी आवश्यकता है।
- उक्त सत्र स्थल तक वैक्सीन तथा अन्य लॉजिस्टिक वैकल्पिक साधन के माध्यम से लाये जाते है। गर्भवतियों महिलाओं के पेट की जांच हेतु निर्धारित स्थान था एवं प्राइवेसी का ध्यान रखा गया था। उक्त हेतु एक कमरा है किन्तु वह बेहद गंदा पडा पाया गया और लाभार्थी को लिटाने या बैठाने की कोई व्यवस्था नही है।
- इकाई में Boundary नही है। पानी की व्यवस्था हेतु हैण्डपम्प है। कार्यकत्रियों के अपेक्षित दायित्वों के निर्वहन में कुशलता की कमी प्रतीत हुयी। माड्यूल 6 एवं 7 में प्रशिक्षित होने के बावजूद एच0बी0एन0सी0 के निर्धारित भ्रमण नहीं किये जा रहे है।
- आशा का समुदाय में अपेक्षित स्वीकार्यता में कमी पायी गयी। ज्ञात हुआ कि वी0एच0एन0डी0 शीट का इस्तेमाल नही किया जाता है। आ0सी0एच0 रजिस्टर उपलब्ध नही था। आई0एफ0ए0 टेबलेट उपलब्ध नही थी। आगनबाडी के पास ग्रोथ चार्ट उपलब्ध नही था। लगभग 2 वर्षो से को भी उपकेन्द्र के अर्न्तगत मातृ मृत्यु नही हुई है।

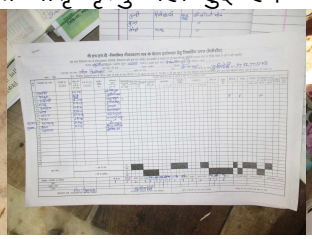

♦ VHND एवं टीकाकरण सत्र – मलुरडीह ब्लाक, कसया – कुशीनगर

- निरीक्षण के समय एक आशा, एक ए0एन0एम0 एवं एक आगनवाड़ी उपस्थित पाई गई एवं अच्छे प्रकार से टीकाकरण सत्र संचालित किया जा रहा था।
- VHND निर्धारित दिनो पर ही संचालित किया जाता है जो माह का 5, 15, एवं 25 है। ए0एन0एम0 को कुपोषित बच्चों के विषय में जानकारी एवं प्रशिक्षणदेने की आवश्यकता है साथ ही साथ आशाओं को HBNC प्रशिक्षण देने की अत्यंत आवश्यकता है। कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण की आवश्यकता है। HBNC भम्रण नही किया जा रहा है।
- उक्त सत्र स्थल तक वैक्सीन तथा अन्य लॉजिस्टिक वैकल्पिक साधन के माध्यम से लाये जाते है।
- सत्र धर में संचालित है। आइरन एवं कैल्सियम एक माह से उपलब्ध नही है। परिसर में Boundary नही है और उपकेन्द्र तक पहुचने हेतु संकेतको की आवश्यकता है। पानी हेतु हैण्डपम्प लगा है।
- कार्यकत्रियों के अपेक्षित दायित्वों के निर्वहन में कुशलता की कमी प्रतीत हुयी। माड्यूल 6 एवं 7 में प्रशिक्षित होने के बावजूद एच0बी0एन0सी0 के निर्धारित भ्रमण नहीं किये जा रहे है।
- गर्भवती, बच्चों एवं किशोरियों की ड्यूलिस्ट अधुनान्त की जा रही थी।
- गर्भवतियों महिलाओं के पेट की जांच हेतु निर्धारित स्थान था एवं प्राइवेसी का ध्यान रखा गया था। सत्र पर हेपेटाइटस–बी0 एवं आई0पी0वी0 उपलब्ध नहीं थी। प्रथम Trimester में महिलाओं को पंजीकृत नही किया जा रहा था।
- उपरोक्त दोनों भ्रमण किये गये सत्रों में महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री को किसी भी अतिकुपोषित बच्चे को एन.आर.सी. में संदर्भित नहीं किया गया है।
- ज्ञात हुआ कि वी0एच0एन0डी0 शीट का इस्तेमाल नही किया जाता है। आ0सी0एच0 रजिस्टर उपलब्ध नही था। आई0एफ0ए0 टेबलेट उपलब्ध नही थी। आगनबाडी के पास ग्रोथ चार्ट उपलब्ध नही था। लगभग 2 वर्षो से को भी उपकेन्द्र के अर्न्तगत मातृ मृत्यु नही हुई है।

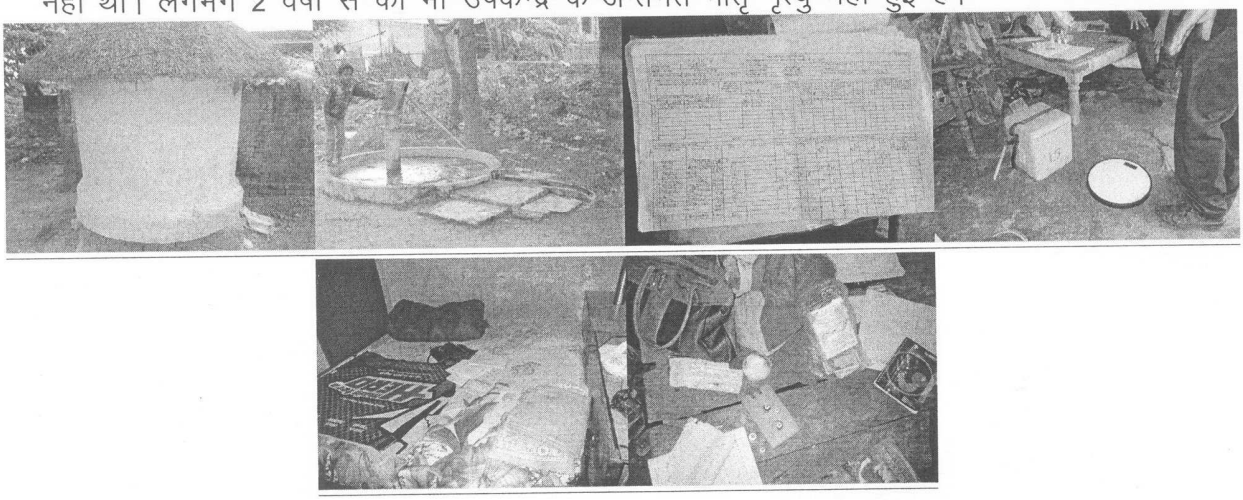

(श्री सौरभ तिवारी)	(श्री गौरव सहगल)	(डा0 अश्विनी कुमार)
कार्यक्रम समन्वयक,	परामर्शदाता	उपमहाप्रबंधक,
(एम0एण्ड0ई0)	(सी0पी0)	(आयुष)